टूरिस्ट संदेश

हिन्दी मासिक

वर्षः 10 | अंकः 11 | कोटद्वार, जून, 2023 | मूल्यः तीन रूपया प्रति | पृष्ठः 8

एक बार अंडमान-निकोबार की देखगें भूल जाएंगे विदेश

अक्सर हनीमून के लिए कपल्स ऐसी जगह जाने का प्लान करते हैं, जो देखने में एकदम विदेश की तरह हो। हालांकि जिनके पास अच्छा खासा बजट होता है, उन्हें विदेश ट्रिप प्लान करने से पहले सोचना नहीं पड़ता है। लेकिन जो लोग विदेश नहीं जा पाते, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको इस आर्ठिकल के जरिए एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जो देखने में एकदम विदेश की तरह लगती है।

एलीफेंट बीच

एलीफेंट आइलैंड मन को छु जाने वाली समुद्री जगह है। यह जगह कोरल और रीफ की प्राचीन सुंदरता के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बता दें कि यहां पर कई डाइविंग स्पॉट और स्नॉर्कलिंग सेंटर हैं। अधिकतर समुद्र प्रेमियों को एलीफेंट बीच पर देखा जाता है। इस जगह पर आप कई एक्टिविटीज में हिस्सा ले सकते हैं। एलिफेंट बीच में आप कयाकिंग, जेट-स्कीइंग और पानी के नीचे बोटिंग आदि कर सकते हैं।

समुद्री जीवन

स्वराज द्वीप पर आ समुद्री जीवन का पूरा लुत्फ उठा सकते हैं। यहां पर आपको जो भोजन मिलेगा, वह शायद किसी अन्य जगह पर नहीं मिलेगा। इस आइलैंड के हर बीच पर छोटी-छोटी झोपड़ियां और रेस्तरां बने हुए हैं। जहां पर आप सीफूड का पूरा लुत्फ उठा सकते हैं। बता दें कि इस आइलैंड पर कई ऐसे रिजॉर्ट हैं, जो लोगों को ऊंची-ऊंची चोटियों और समुद्र का भरपूर मजा देते हैं।

विजयनगर बीच

अपने पार्टनर के साथ सफेद मोतियों और समुद्र किनारे पड़ी चमकीली मिट्टीट का मजा लेने के लिए विजयनगर बीच पर घूमने के लिए जा सकते हैं। यह स्थान कई न्यूली वेड कपल की फेवरेट जगह बन चुकी है। इस बीच पर आप धूप भी सेंक सकते हैं। यहां पर आप सुकून के पल बिताने के साथ ही फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। विजयनगर बीच से आपको सनराइज और सनसेट का बेहद खूबसूरत नजारा देखने को मिलेगा।

लक्ष्मणपुर समुद्र तट

समुद्र तट भी खूबसूरती के लिहाज से लक्ष्मणपुर कुछ कम नहीं है। यहां पर आप शांत समुद्री जीवन का आनंद ले सकते हैं। इस जगह की सुंदरता आपके दिल में अपनी जगह जरूर बना लेगी। नील जेट्टी से महज 2 किमी की दूरी पर स्थित इस जगह पर आप आसानी से पैदल भी जा सकते हैं।

कालापत्थर बीच

कालापत्थर गांव के पास स्थित कालापत्थर बीच पर आपको दूर-दूर तक सफेद रेत मिलेगी। यहां इस बीच पर बड़े काले पत्थर और चट्टान स्थित हैं। स्वराज द्वीप के एक कोने पर स्थित यह बीच एक शानदार जगह है। बता दें कि एक साथ पड़ने वाली समुद्री जगहों में यह जगह आखिरी में हैं।

सीएम ने दिए ड्रग्स माफिया पर कार्यवाही के निर्देश

देहरादून सूवि। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट किया है कि यदि राज्य में ड्रग्स माफिया को जड़ से समाप्त करने के लिए नकल विरोधी कानून की तरह कड़े से कड़े कानून को लाने की जरूरत पड़ी तो, यह भी लाया जा सकता है। सीएम श्री धामी ने उत्तराखण्ड में नशे की सप्लाई चौन तोड़ने के लिए पुलिस विभाग को नशे का व्यापार करने वाले अपराधियों व ड्रग्स माफिया पर ताबड़तोड़ कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएम ने आगामी 26 जून को वर्ल्ड एन्टी ड्रग्स डे के अवसर पर प्रदेशभर के युवाओं के एण्टी ड्रग ई प्लज के आंकड़े को 55300 से बढ़ाकर नया रिकॉड बनाने का लक्ष्य पुलिस विभाग को दिया है। उन्होंने कहा कि योग दिवस की भांति ही आगामी 26 जून को राज्यभर में वर्ल्ड एन्टी ड्रग्स डे मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री धामी ने सचिव स्वास्थ्य को निर्देश दिए कि राज्य में नशा मुक्ति केन्द्रों की स्थापना, संचालन, उपचार एवं चिकित्सकों की व्यवस्था हेतु स्पष्ट गाइडलाइन्स एवं वर्किंग प्लान को जल्द से जल्द कार्यान्वित करने में आ रही बाधाओं के समाधान हेतु मुख्यमंत्री स्तर पर सीधा सम्पर्क किया जाए। वर्तमान में राज्य में निजी प्रयासों से 43 निजी नशा मुक्ति केंद्र संचालित है। मंगलवार को सचिवालय में एनसीओआरडी (स्टेट लेवल नारकोटिक्स को-ऑर्डिनेशन मीटिंग) की चौथी राज्य स्तरीय बैठक में उन्होंने एण्टी ड्रग्स टास्क फोर्स को मजबूत करने की भी बात की।

डीएम अधिकारियों की बैठक लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि 2025 तक ड्रग्स फ्री उत्तराखण्ड के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अधिकारियों को मात्र बैठकों तक सीमित न रहकर कार्यो को धरातल पर उतारने के लिए ऑनरशिप लेने की कार्य संस्कृति विकसित करनी होगी। यह अधिकारियों के कर्तव्य के साथ ही मानवता की सेवा का भी कार्य है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने उत्तराखण्ड पुलिस विभाग के अधिकारियों व जवानों को नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति व प्रशिक्षण हेतु भेजने हेतु कार्ययोजना पर गम्भीरता से कार्य करने के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरों के डिप्टी डायरेक्टर जनरल श्री ज्ञानेश्वर सिंह ने जानकारी दी कि उत्तराखण्ड में वर्ष 2022 में 238 किलोग्राम चरस, 30 किलोग्राम डोडा, 12 किलोग्राम अफीम, 19.11 किलोग्राम स्मैक, 1.57 किलोग्राम हिरोइन, 1232.55 किलोग्राम गांजा, 105390 कैप्सूलस, 17506 इंजेक्शन, 32110 टैब्लेट्स सीज की गई। इसके साथ ही वर्ष 2022 में 141.5 एकड़ भांग तथा 108.5 भांग की फसल नष्ट की गई। इस वर्ष मई 2023 तक तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 586 केस रजिस्टर्ड हो चुके हैं जिनमें 742 आरोपी गिरफतार हो चुके हैं। समाज कल्याण विभाग उत्तराखण्ड द्वारा जानकारी दी गई कि (एटीएफ) हेतु भारत सरकार द्वारा श्रीनगर, उत्तरकाशी, चम्पावत एवं अल्मोड़ा का चयन किया गया है। इसके तहत मादक पदार्थो के दुष्प्रभावो के उपचार हेतु राजकीय चिकित्सालयः स्वास्थ्य केन्द्रों में उपचार सहायता उपलब्ध करायी जाती है। बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, सचिव आर के सुधांशु, नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो अधिकारी मौजूद रहे।

योग ने देश व दुनिया को दिया है स्वस्थता का संदेशः मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में कहा कि योग ने देश व दुनिया को स्वस्थता का संदेश दिया है। योग भारत की प्राचीनतम और समृद्ध परम्परा की एक पहचान है। पूरी मनुष्यता को हमारे ऋषि-मुनियों की यह महत्वपूर्ण देन है। योग साधना के द्वारा हम शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि योग के द्वारा आज दुनिया में हमारी विशिष्ट पहचान बनी है। यह आत्मा को परमात्मा से मिलाने का सेतु भी है। योग जोड़ने का कार्य करता है। इसी का प्रतिफल है कि आज दुनिया योग को अपना रही है तथा योग के लिये दुनिया भारत की ओर देख रही है। योग ने देश व दुनिया को स्वस्थता का भी संदेश दिया है। हमारे योगाचार्यों ने भी योग को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने योग को भारत की विशिष्ट पहचान बताते हुए कहा कि योग में मन और चित्त की मलिनता को दूर करने की ताकत है।

सम्पादकीय...............

मोदी नया दौर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका रवाना हो रहे हैं। 2014 के बाद से वह बतौर प्रधानमंत्री छह बार अमेरिका जा चुके हैं, लेकिन इस यात्रा को उनकी पिछली तमाम यात्राओं से ज्यादा अहमियत दी जा रही है तो उसके पीछे ठोस वजहें हैं। पहली बात तो यही कि यह पहला मौका है, जब वह बाकायदा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के आमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। उनकी इस यात्रा को स्टेट विजिट का दर्जा हासिल है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में उनसे पहले सिर्फ दो नेता ऐसे रहे, जो अमेरिका के स्टेट विजिट पर गए। पहले 1963 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और 2009 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह। जाहिर है, अगर अमेरिका ने आज के माहौल में प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को इतनी अहमियत देने का फैसला किया तो वह अकारण नहीं है। ऐसी कूटनीतिक पहल काफी सोच-समझकर तय की जाती है। इस संदर्भ में देखें तो इसमें कोई शक नहीं कि भारत और अमेरिका के रिश्ते नई ऊंचाइयां छूने की ओर हैं। पहले की तरह अब इसमें विश्वास का कोई संकट नहीं रह गया है। जिन समझौतों पर दोनों पक्षों में सहमति बन चुकी है और जिन पर हस्ताक्षर की औपचारिकता इस दौरे में पूरी होनी है, वे न केवल दोनों देशों के लिए फायदेमंद हैं बल्कि द्विपक्षीय रिश्तों के नए चरण की शुरुआत के भी साक्षी बनेंगे। खासकर ळम् 414 फाइटर जेट इंजन भारत में बनाने का समझौता और अमेरिकी ड्रोन खरीदने का समझौता।

ये सौदे दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत आधार देंगे और अमेरिका में यह उम्मीद बन रही है कि इससे हथियारों के मामले में भारत की रूस पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिलेगी। यूक्रेन युद्ध के मामले में भारत की स्वतंत्र भूमिका अमेरिका को शुरू से खटकती रही है। उसकी कोशिश रही है कि भारत खुलकर रूस की निंदा करे। अच्छी बात यह है कि दोनों देश एक दूसरे की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए आपसी सहयोग बढ़ाने की राह पर चल रहे हैं। इसलिए आगे भी इसमें कोई बाधा आने के आसार नहीं हैं। एक अन्य पहलू चीन का है, जिसकी बढ़ती आक्रामकता ने दोनों देशों में चिंता पैदा की है। क्वॉड से लेकर आई2यू2 तक तमाम मंचों पर भारत और अमेरिका आपसी तालमेल कायम रखते हुए इस साझा चुनौती का मुकाबला कर रहे हैं। यह समीकरण भी इस सोच को मजबूती दे रहा है कि अगर भारत और अमेरिका एक-दूसरे के साथ सहयोग करें तो कई मामलों में चीन से सप्लाई पर निर्भरता कम की जा सकती है। खास तौर पर कोरोना महामारी के बाद के दौर में लोकतांत्रिक और उदार मूल्यों के साथ जी रहे देशों में यह जरूरत तीव्रता से महसूस की जा रही है। उम्मीद है कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात में प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा न सिर्फ द्विपक्षीय मामलों में सहयोग बढ़ाएगा बल्कि पूरी दुनिया को सकारात्मक संदेश देने वाला साबित होगा।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को शक्ति अवार्ड से सम्मानित किया गया

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम में लोकप्रिय कलाकार हिमानी शिवपुरी, आरुषि निशंक, बसंती बिष्ट, संगीता ढौंडियाल, डॉ गीता खन्ना, चित्रांशी रावत, दिलराज कौर, डॉ अलकनंदा अशोक, डॉ रंजना अशोक तथा विभा कपूर सहित उत्तराखंड मूल की अन्य महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शक्ति अवार्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान गत 1 वर्ष की उपलब्धियो पर बात करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमने बहुत से महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। हमारे सभी विभाग अगले 10 वर्षों के रोडमैप पर गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। हम पर्यटन, कृषि,बागवानी, होमस्टे के क्षेत्र में नई नीतियां एवं योजनाएं लाए हैं। अगले 5 वर्षों में उत्तराखंड की जीएसडीपी दुगनी हो, इसके लिए प्रत्येक वर्ष का एक लक्ष्य निर्धारित कर, उस पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की मातृशक्ति का उत्तराखंड निर्माण तथा राज्य के विकास और प्रगति में बहुत बड़ा योगदान है। राज्य की मातृशक्ति को आगे बढ़ने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ता है। हमने राज्य की सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत का क्षेतिज आरक्षण सुनिश्चित किया। हमने वर्ष 2025 तक 125000 महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया है। मातृशक्ति हेतु हमने 1 वर्ष में 3 सिलेंडर निशुल्क रिफिल की योजना लागू कर दी है। हम होमस्टे को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिससे राज्य की महिलाओं को लाभ पहुंचेगा। हमारा प्रयास है कि मातृशक्ति को आगे आने के समान अवसर मिले। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि यूसीसी को सभी के हित के लिए लाया जा रहा है। हमें इसमें सभी वर्गों का समर्थन मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अवैध अतिक्रमण को विधि के अनुसार ही हटाया जा रहा है। उत्तराखंड वर्ष 2025 तक हर क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। हमारा राज्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नकल माफिया को जड़ से समाप्त करने के लिए देश का सबसे कठोर कानून लागू किया गया है। युवाओं का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। युवाओं ने हमारे इस निर्णय का स्वागत किया है। राज्य में इतने कठोर नकल विरोधी कानून के लागू होने से राज्य के युवाओं में एक नई आशा और ऊर्जा का संचार हुआ है। इस संबंध में हमें युवाओं तथा प्रदेशवासियों का अपार समर्थन मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार समावेशी विकास एवं संतुलित विकास के मूलमंत्र पर विश्वास करते हुए सभी क्षेत्रों के संतुलित एवं समान विकास के लिए कार्य कर रही है। केदारनाथ व बद्रीनाथ की तर्ज पर कुमायूं के पौराणिक मंदिरों को भव्य बनाने के लिये मानसखण्ड मंदिर माला मिशन की कार्ययोजना पर कार्य हो रहा है। कुमाँऊ मण्डल में भी तीर्थस्थलों के विकास एवं कनेक्टिविटी के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि केदारनाथ सहित हमारी संपूर्ण चार धाम यात्रा सफलतापूर्वक चल रही है। केदारनाथ धाम में प्रतिदिन तीर्थ यात्रियों की संख्या नए रिकॉर्ड बना रही है। सभी धामों में तीर्थ यात्रियों के लिए सभी सुविधाओं व्यवस्था की है। कैबिनेट सतपाल महाराज तथा राज्यसभा सदस्य कार्तिक शर्मा भी उपस्थित थे।

राज्य में गर्मी को लेकर येलो अलर्ट चारधाम में बारिश के आसार

मौसम विभाग के अनुसार अगले चार-पांच दिन में तापमान तेजी से बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अभी अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास है। जून तक कुछ मैदानी जिलों में तापमान सामान्य से 5 से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच जाएगा। प्रदेश में भले ही तापमान बढ़ रहा हो, लेकिन पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाली बारिश ने इस गर्मी से राहत दिलाई है।

देहरादून। संवाददाता। उत्तराखंड में अगले कुछ दिनों में तापमान बढ़ने पर तेज गर्मी पड़ने के आसार हैं। मौसम विभाग ने तेज गर्मी को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में जून के अंत तक मानसून के आने की उम्मीद भी जताई है। उत्तराखंड में अब तक प्री मानसून की बारिश होने के कारण गर्मी का अहसास कम हो रहा था। जून महीने के साथ ही तापमान में भी वृद्धि होने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार-पांच दिन में तापमान तेजी से बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अभी अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास है। 12 जून तक कुछ मैदानी जिलों में तापमान सामान्य से 5 से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच जाएगा। प्रदेश में भले ही तापमान बढ़ रहा हो, लेकिन पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाली बारिश ने इस गर्मी से राहत दिलाई है। इस बार गर्मियों में उत्तराखंड में झमाझम बारिश हुई है। मई माह में सर्वाधिक 52 फीसदी बारिश दर्ज की गई। हालांकि, अभी उत्तराखंड में मानसून आने में देरी है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. विक्रम सिंह के अनुसार उत्तराखंड में मानसून एक सप्ताह की देरी से आ सकता है। सामान्यता मानसून कुमाऊं क्षेत्र में 20 जून को एंट्री करता है और 25 जून तक पूरे उत्तराखंड को कवर कर लेता है, लेकिन इस बार मानसून आने में देरी हो रही है। बताया कि केरल में एक जून तक मानसून पहुंचता है, लेकिन इस बार अब तक मानसून ने दस्तक नहीं दी है, इसीलिए यह संभावना जताई जा रही है कि उत्तर भारत में मानसून देरी से पहुंचेगा। यदि मानसून सामान्य गति से भी आगे बढ़ता है तो उत्तराखंड में मानसून एक सप्ताह की देरी से जून के अंत तक पहुंचने की उम्मीद है। पहाड़ी इलाकों में बारिश की संभावना उत्तराखंड में गर्मी का पारा जैसे ही लोगों को झुलसाने लगता है, वैसे ही प्री मानसून की बारिश गर्मी से राहत दे देती है। प्रदेश के मैदानी जिलों में जहां तापमान में बढ़ोतरी होने केआसार हैं। वहीं, मौसम विभाग में उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा में कहीं-कहीं तेज गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। पर्वतीय क्षेत्रों में आने वाले दिनों में भी बारिश होने की उम्मीद है। प्रदेश में जहां दिन के समय पारा चढ़ा हुआ है वहीं रात को तापमान सामान्य होने के कारण गर्मी का एहसास कम हो रहा है।

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि उत्तराखण्ड

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

उत्तराखण्ड को महत्व देने के लिए प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद। हम निश्चित रुप से मोदी जी की आकांक्षाओं का उत्तराखण्ड बनाएंगे। प्रदेश के लिए उनका योगदान वृहद है। उत्तराखण्ड से उनका रिश्ता मर्म एवं कर्म का है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड आज जिस तरह से कानून व्यवस्था को सर्वोपरि रखते हुए विकास के अभियान को आगे बढ़ा रहा है, वो बहुत सराहनीय है। ये इस देवभूमि की पहचान को संरक्षित करने के लिए भी अहम है। और मेरा विश्वास है कि देवभूमि आने वाले समय में पूरे विश्व की आध्यात्मिक चेतना के आकर्षण का केंद्र बनेगी। हमें इस सामर्थ्य के अनुरुप भी उत्तराखण्ड का विकास करना होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

विकास के नवरत्न

1

केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम मे 1300 करोड़ रुपए से पुनर्निर्माण का कार्य।

2

गौरीकुण्ड-केदारनाथ, गोविंदघाट-हेमकुंड साहिब रोपवे।

3

मानसखण्ड मंदिर माला मिशन।

4

4000 से अधिक होम स्टे विकसित।

5

16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास।

6

AIIMS, ऋषिकेश का उधमसिंहनगर में सैटेलाइट सेंटर।

7

2 हजार करोड़ रुपए की लागत से टिहरी लेक डेवलपमेंट।

8

एडवेंचर टूरिज्म व योग का केन्द्र बना उत्तराखण्ड।

9

टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन का विकास।

- चारधाम ऑल वेदर रोड
- दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे
- वन्देभारत एक्सप्रेस ट्रेन
- पर्वतमाला परियोजना से प्रदेश में रोपवे कनेक्टिविटी
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना
- पर्यटन हब, एडवेंचर टूरिज्म, फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभरता उत्तराखण्ड
- भारतमाला परियोजना
- एक जिला-दो उत्पाद योजना
- निवेश अनुकूल औद्योगिक नीति
- स्टार्टअप से युवा उद्यमिता को प्रोत्साहन
- अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना
- स्टेट मिलेट मिशन से राज्य में पौष्टिक अनाज को बढ़ावा

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

बिपरजॉय से जनहानि बचाना आपदा प्रबंधन की बड़ी सफलता

केन्द्र व राज्यों की सरकारों, देश की आपदा प्रबंधन टीम, मौसम विज्ञानियों, तटरक्षक बल टीम व इस अभियान से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रुप से जुडेष सभी के समग्र प्रयासों से अरब सागर पर आये सुपर साइक्लोन बिपरजॉय को गुजरात के लैंड फॉल के दौरान बिफरने से इस तरह बचा लिया कि देश दुनिया में आये इस तरह के किसी भी तूफान में संभवतः यह पहला प्रबंध न होगा जिसमें लगभग नहीं के बराबर जनहानि हुई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस तरह के तूफान से हानि तो होनी ही है पर जनहानि को न्यूनतम रखा जाना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी सफलता मानी जा सकती है। यह साफ हो जाना चाहिए कि कुदरती आफत को रोका तो नहीं जा सकता पर पूर्व व योजनावद्ध तैयारी से हानि को कम से कम स्तर पर लाया जा सकता है। बिजली की खंभे गिर जाना, टीन टप्पर उड़ जाना, पेड़ गिर जाना आदि नुकसान तो होना ही है पर नुकसान को कम से कम स्तर पर लाना और तात्कालिक राहत की सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करना बड़ी सफलता माना जाना चाहिए। हांलाकि अब गुजरात और राजस्थान में तेज बरसात का दौर चल गया है। प्राप्त समाचारों के अनुसार लैंड फॉल के बाद केवल दो की मौत के समाचार है। हांलाकि जनहानि एक भी होती है तो उसे स्वीकार्य नहीं माना जा सकता पर जिस तरह से इस चक्रवात के सजीव प्रसारणों के दौरान कुछ लोगों को लाख समझाइश के बाद भी लापरवाही से घूमते हुए देखा गया वह किसी दण्डनीय अपराध से कम नहीं माना जाना चाहिए। जिस तरह से बिपरजॉय को लेकर समूचा देश चिंता ग्रस्त रहा उसे देखते हुए और तूफान की भयावहता के बावजूद जिस तरह से मौसम विज्ञानियों की मिनट टू मिनट आकलन सटीक रहा वह मौसम विभाग की भविष्यवाणियों को लेकर अभी तक चली आ रही सभी नकारात्मकता को धो कर रख दिया है। मौसम विभाग ने समय और गति का जिस तरह से आकलन किया वह लगभग खरा उतरा है और हमारे मौसम विज्ञानियों के आकलन ने विश्वस्तर पर लोहा मनवा दिया है।

14 जून को आया बिपरजॉय तूफान अब समुद्री रास्ता तय करने के बाद गुजरात और राजस्थान की जमीं पर तेज हवा और बरसात के माध्यम से दो तीन दिन तक अपना असर दिखायेगा। केन्द्र के साथ ही गुजरात और राजस्थान सरकार हालात से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है और यह मानके चलना चाहिये कि इससे जनहानि तो नहीं ही होगी। दरअसल एक समय था जब अरब सागर इस तरह के समुद्री तूफानों का केन्द्र लगभग नहीं के बराबर ही रहता था। पर अब अरब सागर में तूफानी गतिविधियां अधिक होने लगी है। मौसम विज्ञानियों की माने तो अरब सागर क्षेत्र में बढ़ते तापमान से चक्रवातों की तीव्रता और बारबारिता में बढ़ोतरी हुई है। 7516 किमी लंबें तटीय क्षेत्र 8 प्रतिषत उष्ण कटीबंधीय चक्रवात भारत में आ रहे हैं। अरब सागर में आने वाले चक्रवातों से 9 प्रदेशों के 82 करोड़ लोग प्रभावित होने के साथ ही अरबसागरीय तूफान का असर पाकिस्तान और यमन ओमान तक देखा जा सकता है।

अरब सागर के यह चक्रवाती तूफान भी देखा जाए तो मई जून यानी की मानसून के आसपास ही देखे गये है। बिपरजॉय को लेकर इसलिए अधिक चिंता और गंभीरता रही कि गुजरात में 1996 और 1998 में आये चक्रवाती तूफानों खासतौर से 1998 के टाइफून के दौरान जिस तरह से पोर्ट के इर्दगिर्द हजारों की संख्या में लोगों की मौत और गुम होने का दंश आज भी गुजरात के लोग सह रहे हैं। ऐसे में बिपरजॉय की भयावहता को देखते चिंतित होना स्वाभाविक भी था। हांलाकि जिस तरह से प्रबंधन दक्षता व परस्पर समन्वय का परिचय दिया गया है उसकी जितनी सराहना की जाएं वह कम है। देष में 2013 के फैलिना तूफान से लेकर, हुदहुद, वरदा, फैनी, अम्फान, ताउते व बिफरजॉय तूफान तक 11 बड़े चक्रवती तूफान आ चुके हैं। दरअसल बिफरजॉय तूफान सुपर साइक्लोन होने के कारण इससे भारी जन-धन हानि होने की संभावना व्यक्त की जा रही थी। यही कारण है कि करीब एक लाख लोगों को गुजरात के तटीय इलाकों खासतौर से मांडवी व आसपास के क्षेत्र से सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। लोगों को सावचेत किया गया। पल पल की जानकारी साझा की जाती रही। लगभग सौ ट्रेनों के फेरे रद्द किए गए या उनकी राह बदली गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्र सरकार के मंत्रीगण, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ना केवल स्थिति पर नजर रखते रहे हैं अपितु उच्चस्तरीय बैठक कर तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि बिपरजॉय तूफान ने बड़ी तबाही मचाई है और बिजली-मोबाइल पोल्स के साथ ही पेड़ों को ध राशाही कर और इसी तरह के अन्य नुकसान से अपने तबाही के चिन्ह छोड़े हैं। पर सबसे बड़ी बात जनहानि होने से बचाना और तबाही को कम से कम स्तर पर लाना बड़ी बात होती है। समय पर और सटीक मौसम अनुमान और तैयारियों से निश्चित रुप से जिस तरह की देश ने परिचय दिया है वह पूरी दुनिया के लिए आपदा प्रबंधन की एक मिसाल से कम नहीं माना जा सकता। इससे बेहतर प्रबंधन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। अब तो आशा यह की जानी चाहिए कि अब आंधी बरसात के दौर से भी प्रभावी तरह से निपटकर बिपरजॉय के आतंक को कुंद किया जाए। जनहानि से बचाना आपदा प्रबंधन की सबसे बड़ी सफलता है।

नशे में बेहोश हो गया उत्तराखंड रोडवेज का ड्राइवर, जवान ने बचाई कई जान

देहरादूनः उत्तराखंड में सीआईएसएफ के जवान की सूझबूझ ने 55 लोगों की जान बचा ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सहायक कमांडेंट सोनू शर्मा बस में सवार लोगों के लिए किसी देवदूत के समान ही नजर आए। दरअसल, यह पूरी घटना उत्तराखंड के रूद्रपुर में घटी। हल्द्वानी से दिल्ली जा रही रोडवेज की बस का चालक संदिग्ध हालात में बेहोश हो गया। उसका पैर स्टीयरिंग पर दब गया और बस अनियंत्रित होकर टांडा जंगल रोड पर 100 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड में दौड़ने लगी। बस में सवार 55 से अधिक यात्रियों के बीच यह भय का माहौल बन गया। वे चीख-पुकार कर रहे थे। लोगों को जीवन की यह आखिरी यात्रा का भान होने लगा था। इसी बीच यात्रियों के बीच बैठे सीआइएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट सोनू उठे और उन्होंने स्थिति को काबू में कर लिया। सीआइएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट ने स्थिति को बिगड़ती देख ड्राइवर के केबिन में प्रवेश किया। स्टीयरिंग से ड्राइवर को हटाया और ब्रेक मारकर बस रोक दी। बस के रुकने के बाद सवार यात्रियों ने राहत की सांस ली। यात्रियों ने आरोप लगाया कि बस चालक और कंडक्टर दोनों नशे में थे। पुलिस ने चालक पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही बस को भी कब्जे में ले लिया है। सीआईएसएफ के अधिकारी की सूझबूझ और हिम्मत की सबने तारीफ की। एक रीयल लाइफ हीरो करार दिया। यात्रियों ने कहा कि सोनू को पुरस्कृत और सम्मानित किया जाना चाहिए। देश को उनके जैसे सकारात्मक रोल मॉडल की जरूरत लोगों ने बताई।

पंतनगर के एसएचओ राजेंद्र सिंह डांगी ने कहा कि नेशनल हाइवे के चौड़ीकरण के बाद भारी वाहन आमतौर पर 50 से

60 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चलते हैं। लेकिन, ड्राइवर के बेहोश होने के बाद गाड़ी 100 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ी। यात्रियों में शामिल सीआईएसएफ अधिकारी आगे की ओर दौड़े। चलती बस में पहले ड्राइवर को घसीटा और फिर स्टेयरिंग पर काबू किया। उन्होंने बस की गति धीमी करने और ब्रेक दबाने में कामयाबी हासिल की। वाहन को सड़क के किनारे सुरक्षित तरीके से पार्क कर दिया।

एसएचओ डांगी ने कहा कि अगर अधिकारी ने यह कदम नहीं उठाया होता, तो बस निश्चित रूप से खाई में गिर गई होती। सड़क पर निर्माण कार्य के कारण कई स्थानों पर इसे खोदा गया है। एसएचओ ने कहा कि ड्राइवर और कंडक्टर को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। इसमें पुष्टि हुई कि ड्राइवर नशे में था और बेहोश हो गया था

यात्रियों ने दावा किया कि ड्राइवर ने हल्द्वानी में एक अनधिकृत स्टॉप पर गाड़ी रोकी। बस से उतरकर ड्राइवर और कंडक्टर ने शराब की बोतल खरीदी। इसमें से वे पीते दिखाई दिए थे। इसके बाद वे दोनों बस में वापस आए। एसएचओ ने बताया कि बस पर ड्राइवर का नियंत्रण खोने से पहले 22 किलोमीटर तक दौड़ती रही। नशा चढ़ने के बाद हादसा होते-होते बचा। उन्होंने कहा कि यात्रियों ने दूसरी रोडवेज बस में दिल्ली की यात्रा जारी रखी। उधम सिंह नगर के एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने कहा कि बस को जब्त कर लिया गया है। चालक को गिरफ्तार किया गया है।

एसपी ने कहा कि ड्राइवर के खिलाफ आईपीसी की धारा 279(तेजी से गाड़ी चलाना) और 336(दूसरों की जान और निजी सुरक्षा को खतरे में डालना) समेत संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे रुद्रपुर रोडवेज के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) महेंद्र कुमार ने कहा कि दोषी पाए जाने पर बस चालक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

हैदराबाद जा रहे थे सोनू

सीआईएसएफ में सोनू को हाल में ही सहायक सहायक कमांडेंट के पद के लिए चुना गया है। वे प्रशिक्षण के लिए दिल्ली के रास्ते हैदराबाद जा रहे थे। इससे पहले उन्होंने अपनी पत्नी और बच्चों को हल्द्वानी में छोड़ा।

पंचायती राज

अपील

माननीय कैबिनेट मंत्री
सतपाल महाराज

- डेंगू रोग के नियंत्रण एवं रोकथाम में ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायतो का सहयोग प्राप्त किया जाये। ।
- डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण गतिविधियों जैसे डेंगू मच्छर के पनपने के स्थानों की पहचान कर नष्ट करना, वैक्टर नियंत्रण और जागरूकता पैदा करने में स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वित प्रयास किये जाएं।
- सामुदायिक स्तर पर डेंगू मच्छर के पनपने पर नियंत्रण एवं मच्छरों के काटने से बचाव पर व्यापक प्रचार प्रसार किया जाये।
- डेंगू के प्रति सामुदायिक शिक्षा और जागरूकता प्रदान की जाये ।
- समुचित जल निकासी और स्वच्छता कार्यक्रम चलाये जाएं।
- डेंगू मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए समुदाय को जल भण्डारण के समुचित तरीकों पर जागरूकता की जाये।

पंचायती राज विभाग, उत्तराखंड

2025 तक विकास के पहले पायदान पर होगा उतराखंडः चौहान

उत्तरकाशी। जिस रफ्तार के साथ उत्तराखंड में डबल इंजन की सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारकर उन्हें जन–जन तक पंहुचा रही है और उन विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को मिल रहा है उससे यह साबित हो गया है कि 2025 तक उत्तराखंड देश का पहला विकसित राज्य बन जायेगा।

कांग्रेस कार्याकाल में भ्रष्टाचार चरम पर था जिसे धामी सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त संकल्प के साथ कठोर कानून लाकर भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाने का काम किया है। आज 85 से अधिक भ्रष्टाचार में संलिप्त भ्रष्ट लोगों को इस कानून के तहत सलाखों के पीछे डाला गया है वह चाहे बड़ा अधिकारी ही क्यों न हो। यह वक्तव्य ब्रह्मखाल में लाभार्थी कल्याण शिविर में भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी ने उपस्थित जनसमुदाय से कहीं।

उन्होंने कहा कि समान नागरिक कानून भी जल्द ही उत्तराखंड में लागू हो जाएगा इसका ड्राफ्ट बनकर तैयार है और उतराखंड देश का ऐसा पहला राज्य होगा जो इस कानून को सबसे पहले लागू

धर्मान्तरण पर कहते हुए चौहान ने कहा कि लव-जिहाद को फैलाकर जो अराजकतत्व अराजकता को फैलाने का काम कर रहे हैं उन्हें धर्मान्तरण कानून के तहत कठोरतम सजा दी जायेगी।

करेगा। इस कानून के आने से सभी धर्म समुदाय और वर्ग के लोगों को समान अधिकार मिलेगा सबको एक कानून के दायरे में रहकर समान लाभ मिल सकेगा।

धर्मान्तरण पर कहते हुए चौहान ने कहा कि लव–जिहाद को फैलाकर जो अराजकतत्व अराजकता को फैलाने का काम कर रहे हैं उन्हें धर्मान्तरण कानून के तहत कठोरतम सजा दी जायेगी। इस दौरान भाजपा के जिलाध्यक्ष सतेन्द्र राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी की मजबूत इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व से राज्य में विकास की बयार बह रही है। उन्होंने कहा चाहे वह महिलाओं को तीस प्रतिशत आरक्षण देने की बात हो या उज्ज्वला गैस कनेक्शन को घर घर पहुंचाने की बात हो या राज्य निर्माण आंदोलनकारियों को दस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का मामला हो हर जन कल्याणकारी योजनाओं से उत्तराखंड विकसित राज्य की ओर बढ़ रहा है और राज्य के जन मानस में धामी सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है।

इस दौरान ब्लाक प्रमुख शैलेन्द्र कोहली ने कहा कि सरकार की जनहित कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में अधिकारी रीढ़ का काम करते हैं इसलिए अधिकारी व कर्मचारी ईमानदारी के साथ योजनाओं से जनता को लाभान्वित करने का काम करें। शिविर में खंड विकास अधिकारी राकेश विष्ट ने लाभार्थी ग्रामीणों और समूहों को ग्राम्य विकास, सहकारिता और आजीविका समूह से चौक वितरित करवायें। शिविर में शिक्षा, कृषि, उद्यान, सहकारिता, आजीविका,बाल विकास, पंचायती राज सहित अन्य कई विभागों ने अपने स्टाल लगाए और अपने विभागों से संबंधित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारियां दी।

इस दौरान मंडल अध्यक्ष मनोज सिल्वा, जिलामंत्री दुर्गेश सिल्वा, ओबीसी मोर्चे के चंडी प्रसाद, मनवीर भंडारी, कृपाल सिंह, राजेश विजल्वाण, सीमा गौड़ आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केदारनाथ धाम आए तीर्थयात्रियों ने साझा किए अपने अनुभव

रूद्रप्रयाग। ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग बाबा केदारनाथ धाम में दर्शन करने आ रहे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी एवं असुविधा न हो इसके लिए यात्रा व्यवस्थाओं से जुड़े सभी अधिकारियों को यात्रा मार्ग से लेकर केदारनाथ धाम तक सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को चाक–चौबंद करने के निर्देश जिलाधिकारी मयूर दीक्षित द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं तथा जिलाधिकारी द्वारा सभी व्यवस्थाओं की स्वयं निरंतर मॉनीटरिंग भी की जा रही है।

श्री केदारनाथ धाम के दर्शन करने आ रहे तीर्थ यात्रियों द्वारा राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा यात्रा मार्ग एवं केदारनाथ धाम में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं से संतुष्टि व्यक्त करते हुए सराहना की जा रही है। केदारनाथ धाम दर्शन करने आए उज्जैन के मोहित कुमार ने केदारनाथ धाम की यात्रा का अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें बाबा केदारनाथ के दर्शन बहुत अच्छे ढंग से हुए हैं। उन्होंने उत्साहित होते हुए कहा कि धाम में उपलब्ध सुविधाओं से वह बहुत प्रसन्न हुए हैं। उन्होंने बताया कि यहां पर रहने, खाने व साफ–सफाई सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा केदारनाथ धाम में उपलब्ध की जा रही सभी सुविधाओं की सराहना एवं प्रशंसा करते हुए अन्य लोगों से भी केदारनाथ धाम आने की अपील की है।

केदारनाथ धाम पूने से आए तीर्थ यात्री रामनाथ ने भी अपना अनुभव साझा करते हुए केदारनाथ में उपलब्ध सभी व्यवस्थाओं से अभिभूत होकर जिला प्रशासन की सराहना की है। उन्होंने कहा कि उन्हें यहां आकर बहुत अच्छा लगा। यहां के लोग भी बहुत अच्छे हैं। साफ–सफाई सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी काफी बढ़िया हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें यहां आकर किसी भी तरह से कोई परेशानी व असुविधा नहीं हुई है स

केदारनाथ धाम के दर्शन करने आए नजफगढ़ के रोहित कुमार ने केदारनाथ धाम में चल रहे निर्माण कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार द्वारा बहुत अच्छी तरह से निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही धाम में निरंतर साफ–सफाई व्यवस्था भी बहुत अच्छी तरह से हो रही है।

गुजरात की विनल जानी ने केदारनाथ धाम के दर्शन करने के बाद अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें बहुत अच्छे से बाबा केदारनाथ के दर्शन हुए हैं। उन्होंने बताया कि यहां का वातावरण बहुत अच्छा है। साथ ही भोजन सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं भी काफी अच्छी हैं। उन्होंने अन्य लोगों से भी बाबा केदारनाथ के दर्शन करने की अपील की है। अहमदाबाद की सृद्धि जोशी ने बताया कि उन्हें केदारनाथ धाम में आकर बहुत ऊर्जा का एहसास हुआ है।

जैन पारस मिलन संस्था के शिविर में 78 यूनिट रक्त एकत्रित किया

देहरादून। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष में जैन मिलन पारस देहरादून संस्था द्वारा श्री दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर जैन भवन में एक रक्तदान शिविर तथा रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में 78 महिला व पुरुषों द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रवीण कुमार जैन सर्राफ एवं अति विशिष्ट अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा उत्तराखंड के प्रदेश उपाध्यक्ष अंकुर जैन ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यक्रम अध्यक्ष जैन मुनि क्षुल्लक समर्पण सागर जी महाराज ने सम्बोधित करते हुए कहा कि रक्तदान समाज एवं मानवता की सेवा का सर्वोत्तम माध्यम है। किसी जरूरतमंद को अपना रक्त देकर उसका जीवन बचाना ईश्वर की आराधना के समान है

मुख्य अतिथि प्रवीण जैन सर्राफ ने कहा कि एक स्वस्थ युवा घ्यक्ति को स्वैच्छिक रूप से नियमित रूप से तीन माह बाद रक्त दान अवश्य करना चाहिये। इससे बल्ड बैंक में किसी भी जरूरतमंद को रक्त प्राप्त करने में सहायता मिलती है। शिविर संयोजक व जैन मिलनश पारस के मंत्री अंकित जैन ने कहा कि जैन समाज आमजन के हित में राष्ट्रीय स्तर पर सदैव विभिन्न प्रकार से सहयोग करता रहा है,और करता रहेगा। समस्त जैन धर्म के अनुयायी समाज सेवा का कोई भी अवसर नहीं छोड़ते। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष में रक्तदान व रक्तदाता समारोह का आयोजन किया जाना जैन मिलन पारस का इस श्रृंखला में एक विशेष कदम है।

जिसे लगातार जारी रखा जायेगा। स्वैच्छिक रक्तदान का महत्व हमें उस समय पता चलता है जब हमारा कोई प्रियजन अस्पताल में रक्त के अभाव में तड़प रहा हो। ऐसे कठिन वक्त में समझ आता है कि किसी अपरिचित व्यक्ति ने स्वैच्छिक रक्तदान न किया होता तो अस्पताल में अंतिम सांसे गिन रहे प्रियजन का जीवन कैसे बच पाता ? इस उद्देश्य की पूर्ति से मानव जीवन में रक्तदान का महत्व पतालगता हैं।

इस अवसर पर रक्तदाता सम्मान समारोह के अंतर्गत 150 से अधिक बार रक्तदान कर चुके रक्तदाता शिरोमणि अनिल वर्मा, चेयरमैन यूथ रेडक्रास समिति सहित अन्य महिला–पुरुष रक्तदाताओं को जैन मिलन रक्तदाता सारथी अवार्ड प्रदान करके सम्मानित किया गया। रक्तदाता प्रेरक अनिल वर्मा ने रक्तदाता द्वारा रक्तदान करने के फायदों के संबंध में बताया कि नियमित रक्तदान करने वाले व्यक्ति को हार्ट अटैक, कैंसर होने की संभावना बहुत कम होती है। बी०पी०, कोलेस्ट्रॉल, ट्राई ग्लिसराइड, फैट आदि संतुलित रहते हैं। साथ ही नये ब्लड सेल्स बनने से शरीर में नई ऊर्जा का संचार होने से शरीर स्वस्थ एवम स्फूर्त बना रहता है। रक्तदान शिविर, के कुशल संयोजन एवम संचालन में अध्यक्ष नितिन जैन सचिव अंकित जैन, कोषाध्यक्ष विरेश जैन, इंडियन रेडकॉस सोसायटी सदस्य मेजर प्रेमलता वर्मा, मीडिया इंचार्ज गोपाल सिंघल, दीपक जेठी, सतीश चंद जैन, डॉ० संजय जैन, अशोक जैन,संदीप जैन, विपिन जैन, सचिन जैन अमित जैन हिमांश जैन नेहा जैन, गरिमा जैन, नीरू जैन, अनामिका जैन, रीना सिंघल, महंत इंद्रेश हॉस्पिटल ब्लड बैंक की टीम के समन्वयक अमित चंद्रा, अंकिता, सचिन सेमवाल, विपिन चंद, हीरा सिंह नेगी तथा हिमांशु का विशेष सहयोग रहा।

सीएम धामी ने कैंट विधानसभा क्षेत्र में बूथ नंबर 59 में सुनी पीएम मोदी की मन की बात

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र कैंट, देहरादून के अंतर्गत बूथ न० 59, पटेलनगर में स्थानीय जनता एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का 102वां संस्करण सुना। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन भागीदारी, सेवा भाव से होने वाले समाजिक कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने जल संरक्षण से जुड़े स्टार्स–अप, तालाबों, नदियों को पुनर्जीवित करने, भारत में आपदा प्रबंधन सशक्त किए जाने, टी.बी. मुक्त भारत, मियावाकी तकनीक से पौधरोपण, दुग्ध उत्पादन जैसे विभिन्न विषयों पर आम जन को जागरूक किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को 2025 तक टी.बी. मुक्त भारत बनाने का संकल्प को दोहराया है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड में नैनीताल जिले के एक गांव के निक्षय मित्र दीकर सिंह मेवाड़ी का उल्लेख किया। निक्षय मित्र दीकर सिंह मेवाड़ी ने टी.बी मुक्त भारत के संकल्पों को पूर्ण करने के मकसद से टी.बी के 6 मरीजों को गोद लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के सभी कार्यक्रम आम जन से जुड़े रहते हैं। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में सामाजिक कार्यों के प्रति प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नैनिताल जिले के दीकर सिंह मेवाड़ी से फोन पर वार्ता कर, उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के प्रति उनका आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें राज्य सरकार के स्तर पर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल, विधायक सविता कपूर, सिद्धार्थ अग्रवाल एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

वाईब्रेंट विलेज योजना के सम्बन्ध में मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने मंगलवार को सचिवालय में जनपद चमोली एवं उत्तरकाशी के जिलाधिकारियों के साथ वाईब्रेंट विलेज योजना के सम्बन्ध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली। मुख्य सचिव ने कहा कि जिलाधिकारी वाईब्रेंट विलेज में जाकर देखें कि उन गांवों में किन–किन सेवाओं की सख्त आवश्यकता है। मुख्य सचिव ने कहा कि वाईब्रेंट विलेज के तहत क्षेत्र में अटल स्कूलों की शुरूआत की जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से इन गांवों में और क्या–क्या गतिविधियां शुरू की जा सकती हैं, इस दिशा में भी कार्य किया जाए। उन्होंने वाईब्रेंट विलेज के लिए योजनाओं को प्राथमिकता पर लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन गांवों में बिजली, पानी, सड़क, अस्पताल आदि की उपलब्धता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि इन गांवों के लिए योजनाएं इस प्रकार से तैयार की जाएं कि स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वाईब्रेंट विलेज में हेलीपैड तैयार किया जाए। इन गांवों में ब्रेकफास्ट टूरिज्म और साहसिक खेलों से जुड़ी योजनाओं को संचालित किया जाए। इन क्षेत्रों में बुग्याल और ट्रैकिंग रूट्स को विकसित कर क्षेत्रवासियों को रोजगार से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने कौशल विकास विभाग को क्षेत्र के युवाओं को विभिन्न ट्रेड्स में निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किए जाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर विशेष प्रमुख सचिव खेल अभिनव कुमार, सचिव नितेश झा, सचिन कुर्वे, दीपेन्द्र एवं विजय कुमार यादव सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को शक्ति अवार्ड से सम्मानित किया गया

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम में लोकप्रिय कलाकार हिमानी शिवपुरी, आरुषि निशंक, बसंती बिष्ट, संगीता ढौंडियाल, डॉ गीता खन्ना, चित्रांशी रावत, दिलराज कौर, डॉ अलकनंदा अशोक, डॉ रंजना अशोक तथा विभा कपूर सहित उत्तराखंड मूल की अन्य महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शक्ति अवार्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान गत 1 वर्ष की उपलब्धियों पर बात करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमने बहुत से महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। हमारे सभी विभाग अगले 10 वर्षों के रोडमैप पर गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। हम पर्यटन, कृषि,बागवानी, होमस्टे के क्षेत्र में नई नीतियां एवं योजनाएं लाए हैं। अगले 5 वर्षों में उत्तराखंड की जीएसडीपी दुगनी हो, इसके लिए प्रत्येक वर्ष का एक लक्ष्य निर्धारित कर, उस पर तेजी से कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की मातृशक्ति का उत्तराखंड निर्माण तथा राज्य के विकास और प्रगति में बहुत बड़ा योगदान है। राज्य की मातृशक्ति को आगे बढ़ने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ता है। हमने राज्य की सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण सुनिश्चित किया। हमने वर्ष 2025 तक 125000 महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया है। मातृशक्ति हेतु हमने 1 वर्ष में 3 सिलेंडर निशुल्क रिफिल की योजना लागू कर दी है। हम होमस्टे को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिससे राज्य की महिलाओं को लाभ पहुंचेगा। हमारा प्रयास है कि मातृशक्ति को आगे आने के समान अवसर मिले। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि यूसीसी को सभी के हित के लिए लाया जा रहा है। हमें इसमें सभी वर्गों का समर्थन मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अवैध अतिक्रमण को विधि के अनुसार ही हटाया जा रहा है।

उत्तराखंड वर्ष 2025 तक हर क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। हमारा राज्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नकल माफिया को जड़ से समाप्त करने के लिए देश का सबसे कठोर कानून लागू किया गया है। युवाओं का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। युवाओं ने हमारे इस निर्णय का स्वागत किया है। राज्य में इतने कठोर नकल विरोधी कानून के लागू होने से राज्य के युवाओं में एक नई आशा और ऊर्जा का संचार हुआ है। इस संबंध में हमें युवाओं तथा प्रदेशवासियों का अपार समर्थन मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार समावेशी विकास एवं संतुलित विकास के मूलमंत्र पर विश्वास करते हुए सभी क्षेत्रों के संतुलित एवं समान विकास के लिए कार्य कर रही है। केदारनाथ व बद्रीनाथ की तर्ज पर कुमायूं के पौराणिक मंदिरों को भव्य बनाने के लिये मानसखण्ड मंदिर माला मिशन की कार्ययोजना पर कार्य हो रहा है। कुमाँऊ मण्डल में भी तीर्थस्थलों के विकास एवं कनेक्टिविटी के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि केदारनाथ सहित हमारी संपूर्ण चार धाम यात्रा सफलतापूर्वक चल रही है। केदारनाथ धाम में प्रतिदिन तीर्थ यात्रियों की संख्या नए रिकॉर्ड बना रही है। हमने केदारनाथ धाम सहित सभी धामों में तीर्थ यात्रियों के लिए सभी सुविधाओं व्यवस्था की है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज तथा राज्यसभा सदस्य

भारती फाउंडेशन की सीईओ ममता सैकिया को भरोसेमंद लीडर के रूप में सम्मानित किया

देहरादून। भारती फाउंडेशन की चीफ एक्जीक्यूटिव अफसर ममता सैकिया को ग्रेट प्लेस टो वर्क इंडिया द्वारा भारत की एक सबसे भरोसेमंद लीडर के रूप में सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान सामाजिक क्षेत्र में उनके अनुकरणीय नेतृत्व और योगदान के लिए दिया गया है।

भारती फाउंडेशन की सीईओ ममता सैकिया ने कहा, मैं ग्रेट प्लेस टो वर्क द्वारा भारत के सबसे अधिक भरोसेमंद लीडर्स में शामिल किए जाने पर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूँ। यह मान्यता भारती फाउंडेशन की पूरी टीम के एकजुट प्रयासों और शिक्षा द्वारा जीवन में परिवर्तन लाने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। साथ मिलकर, हम लोगों ने, 2022–2023 में 20 लाख से अधिक बच्चों के जीवन को प्रभावित करने के एक महत्वपूर्ण मुकाम पर पहुंचे हैं। हमारी यात्रा बच्चों की पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना उनके समग्र विकास के अवसर उपलब्ध कराने के उत्साह और जोश के कारण है। मैं इस मुकाम तक पहुंचने के लिए अपनी टीमों, हमारे भागीदारों, हितधारकों के विश्वास और समर्थन के लिए आभारी हूं। हम प्रतिबद्ध हैं और पूरे भारत में बच्चों एवं समुदायों के जीवन पर चिरस्थायी प्रभाव डालने के लिए नए विचारों को लाना और सहयोग करना जारी रखेंगे। भारती फाउंडेशन को अन्य अनेक सम्मानों के साथ–साथ सीएसआर बॉक्स द्वारा सीएसआर फाउंडेशन ऑफ द ईयर, शिक्षा उत्कृष्टता का समर्थन और सुधार के लिए ई.टी . स्टार्स ऑफ द इंडस्ट्री अवार्ड और ग्रेट प्लेस टो वर्क द्वारा महिलाओं के लिए भारत के शीर्ष 100 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थल 2022 में सम्मानित किया गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

देहरादून। सूवि। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने किया राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय का औचक निरीक्षण। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को देहरादून स्थित राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने चिकित्सालय परिसर में फैली गंदगी पर नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को अस्पताल परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में आए मरीजों का हालचाल जान, व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने मरीजों के तीमारदारों से बातचीत कर अस्पताल में मौजूद संसाधनों, डॉक्टरों की उपलब्धता, दवाइयों की उपलब्धता, एवं खानेपीने की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अस्पताल में मौजूद मरीजों के लिए बन रहे खाने को स्वयं जाकर देखा। उन्होंने कहा मरीजों को मिलने वाले भोजन में किसी तरह की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। सभी तरह के पोषक तत्व भोजन में पाए जाए, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए।

उन्होंने रजिस्ट्रेशन डेस्क में जाकर प्रतिदिन आने वाले मरीजों की संख्या के बारे में जाना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य संबंधित जांच के लिए अस्पताल आए मरीजों को लंबी लाइन में ना लगाना पड़े इसके लिए रजिस्ट्रेशन डेस्क की संख्या में भी बढ़ोतरी की जाए। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने इमरजेंसी वार्ड में जाकर वहां मौजूद डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, से भी वार्ता की। उन्होंने अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों की उपस्थिति के बारे में भी जानकारी ली। मरीजों के इलाज में इस्तेमाल हो रही विभिन्न आधुनिक मशीनों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा अस्पताल में यह व्यवस्था भी सुनिश्चित किया जाए कि मरीजों को बेवजह घूमना ना पड़े। एक ही स्थान पर मरीज अधिक से अधिक लाभ लें।

योजनाओं का क्रियान्वयन जनपद स्तर सही तरीके से हो: मंत्री जोशी

:æi|jA जीबी पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जनपद प्रभारी व कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी की अध्यक्षता में एक दिवसीय जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य आगामी 05 वर्षों में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को दोगुना करने के लक्ष्य तथा वर्ष 2025 तक राज्य को श्रेष्टतम राज्य बनाने हेतु राज्य सरकार के सशक्त उत्तराखण्ड /25 की परिकल्पना को पूरा करना है।

उन्होंने कहा केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का क्रियान्वयन जनपद स्तर सही तरीके से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के विजन सशक्त उत्तराखण्ड 2025 में जनपद ऊधम सिंह नगर सबसे महत्वपूर्ण रोल रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा अनेक प्रकार के कार्य किये जा रहे हैं, समूहों द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं उत्पादों को और अधिक बढ़ावा देने की जरूरत है क्योंकि समूहों द्वारा उत्पादित सामान की मार्केट में दिन–प्रतिदिन मांग बढ़ती जा रही है। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को लखपति दीदी योजना के अन्तर्गत अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति बनाया जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि किस क्षेत्र में किस फल की अधिक पैदावार हो रही है, फलों की पैदावार के अनुसार उपयुक्त स्थानों को चिन्हित किया जाये ताकि सम्बन्धित फलों की पैदावार को और अधिक बढ़ाया जा सके। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि जनता को किसी भी प्रकार परेशानी न हो और सरकारी सम्पत्ति को भी क्षति न हो। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि संसाधनों की कोई कमी नहीं है बल्कि सकारात्मक सोच रखते हुए आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमार संकल्प है कि 2025 तक राज्य को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना है। जनपद प्रभारी मंत्री ने पिछले वित्तीय वर्ष में जिला योजना की शतप्रतिशत धनराशि का उपयोग करने पर बधाई दी।

कार्यशाला में जनपद प्रभारी सचिव डॉ.रंजीत सिंहा ने कहा कि उपलब्ध संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोंग किया जाये। उन्होंने कहा कि सभी को एकजुट होकर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत है । तभी जनपद व प्रदेश को बुलन्दियो पर पहुँचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनता की परेशानियों के निराकरण हेतु प्राथमिकता से रणनीति बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जाये। बैठक में जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने स्थानीय स्तर पर नियोजन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं उपयोगी बनाने के लिए विभागों के अल्पकालिक, मध्यकालिक एवं दीर्घकालिक रोडमैप, अन्तर्विकासखण्डीय विषमताओं का चिन्हीकरण, जनपद के चहुँमुखी विकास हेतु उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग हेतु स्थानीय स्तर पर नियोजन प्रक्रिया, समावेशी विकास, समस्याओं को पहचान कर उसके त्वरित निस्तारण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में मेयर रामपाल सिंह व जिला पंचायत सदस्यों द्वारा भी विकास से सम्बन्धित सुझाव क्षेत्र में किये जा रहे विकास कार्यो के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा ने जन समस्याओं के निराकरण हेतु शुरू की गई ई–चौपाल कार्यक्रम, 30 सूत्रीय कार्यक्रम सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही शिक्षा, उद्यान, स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी कार्यशाला में सांसद प्रतिनिधि प्रकाश चन्द्र, अमित नारंग, परियोजना निदेशक हिमांशु जोशी, जिला विकास अधिकारी तारा ह्यांकी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नफील जीमल, मुख्य शिक्षा अधिकारी आरसी आर्या, मुख्य कृषि अधिकारी एके वर्मा, सहायक निदेशक मत्स्य संजय कुमार छिम्मवाल, जिला पंचायतराज अधिकारी आरसी त्रिपाठी, अधिशासी अभियंता ज्योति पालनी, तरूण शर्मा, जिला सेवायोजन अधिकारी आरके पन्त आदि उपस्थित थे।

टनकपुर में 341 लाख की लागत से बनेगा सैनिक विश्राम गृह, 135 लाख जारी

देहरादून। सूबे के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि चम्पावत जिले के टनकपुर में बनने वाले सैनिक विश्राम गृह के निर्माण के लिए रुपये 135 लाख की धनराशि अवमुक्त कर दी है। उन्होंने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में यह प्रथम किश्त है जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में रुपये 20 लाख की दो किश्तें जारी की जा चुकी हैं। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। सरकार ने जहां टनकपुर में सैनिक विश्राम गृह के लिए बजट स्वीकृत किया है, वहीं जखोली और घनशाली में भी सैनिक कल्याण विभाग के अतिथि गृहों का भी जीर्णोद्वार किया जा रहा है। सैनिक कल्याण मंत्री ने बताया कि सैन्यधाम निर्माण का कार्य भी गतिमान है और यह कार्य 50 प्रतिशत से अधिक पूर्ण हो चुका है। मंत्री ने यह भी बताया कि हल्द्वानी और ऋषिकेश के सैनिक कल्याण अतिथि गृहों का भी जीर्णोद्वार भी जल्द किया जाऐगा। मंत्री कार्यालय से जारी प्रेस नोट के अनुसार, सैनिक विश्राम गृह टनकपुर के निर्माण हेतु सैनिक कल्याण मंत्री द्वारा धनराशि 135 लाख अवमुक्त कर दी गई है। सैनिक विश्राम गृह टनकपुर का निर्माण 341.25 लाख की लागत से किया जा रहा है। सैनिक विश्राम गृह टनकपुर में 02 अधिकारी कक्ष, 04 एकल जूनियर अधिकारी कक्ष, 02 जेसीओ कक्ष, 04 अन्य रैंक के परिवार कक्ष, 15 बेड की दो डोरमेट्री का निर्माण किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सुभाष चन्द्र नौटियाल के लिए राणा प्रिंटिंग प्रेस मालवीय उद्यान कोटद्वार से मुद्रित कराकर बलूनी काम्पलेक्स, गंगादत्त जोशी मार्ग कोटद्वार गढवाल से प्रकाशित

सम्पादकः
सुभाष चन्द्र नौटियाल
मो0 8477937669

आर0एन0आई0 रजि0 सं0
UTTHIN/2013/52383

डाक पंजीयन सं0. **PAO/41**

नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार न्यायालय होगा।

Website : touristsandesh.com
Blog : touristsandesh.blogspot.com
E-mail- touristsandesh@gmail.com